उत्पत्ति ४६

- **पूर्वजों का युग** समाप्त हो गया।
- **अब्राहम** और **इसहाक** दोनों ही मृत्यु को प्राप्त हो चुके हैं।
- अब केवल **याकूब** ही शेष रह गया है।
- **इस्राएल** को अब **"राष्ट्र"** का दर्जा दिया गया है और वह **"इस्राएली"** (इस्राएल की सन्तान) नाम धारण करता है।

याकूब को आभास हुआ कि अधीनता का समय समीप आ चुका a

- **याकूब** परमेश्वर द्वारा **अब्राहम** को दी गई **भविष्यवाणी** से अच्छी तरह अवगत था।
- **उत्पत्ति १५:१२** – "...तेरी सन्तान **पराये देश** में **परदेशी** होगी... वे **दास** बनाए जाएँगे.... **चार सौ वर्ष** तक..."
- **याकूब** जानता था कि वह **मिस्र** में ही मृत्यु को प्राप्त होगा।

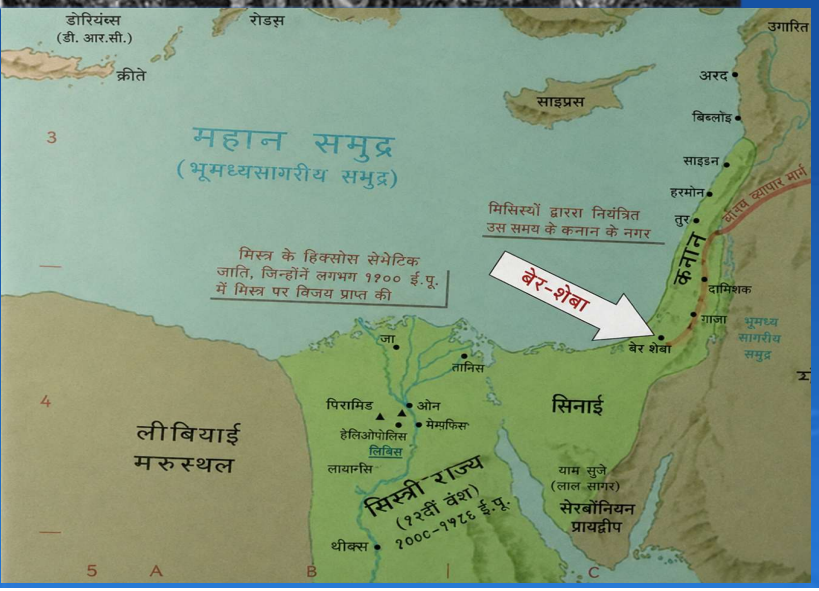

याकूब को बेर्शेबा में एक दिव्य दर्शन प्राप्त हुआ

- **परमेश्वर** याकूब से कहता है कि **मिस्र** जाने से **मत डर**।
- **परमेश्वर** कहता है कि **मिस्र** में **इस्राएल** एक **महान राष्ट्र** बनेगा।
- **याकूब** ने **बेर्शेबा** में **बलिदान** चढ़ाए।
- **ज़ेवाहिम** = बलिदानों की **एक विशेष प्रकार** की श्रेणी।
- **याकूब** ने **वेदी** पर बलिदान चढ़ाया, सम्भवतः **वही वेदी** जो **इसहाक** ने बनाई थी।

देवता क्षेत्रीय माने जाते थे

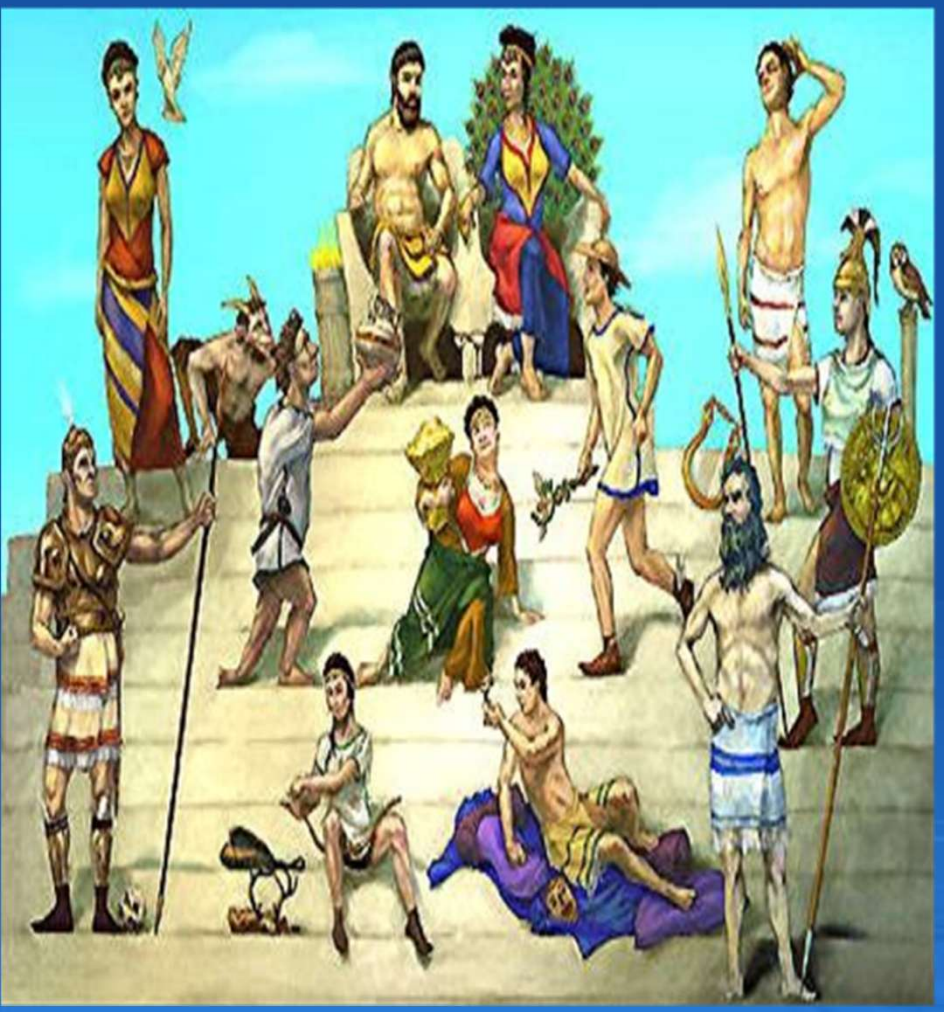

- **देवताओं** के बारे में यह **अटल विश्वास** था कि वे **राष्ट्रीय सीमाओं** का सम्मान करते हैं।
- **याकूब** को भय था कि **मिस्र** जाने पर वह **यहोवा** को पीछे छोड़ आएगा।
- **यहोवा** कहता है: **"मैं स्वयं तेरे साथ चलूँगा..."**
- ऐसे **वचन** व्यर्थ टिप्पणियाँ **नहीं** हैं।
- यद्यपि यह धारणा **गलत** थी, फिर भी लोग **इसमें विश्वास** रखते थे।

इस्राएल की वंशावली

- **पद ८ से २५** या तो **बाद में जोड़े गए** थे, या **भारी परिवर्तन** किए गए थे।
- **संख्याएँ** मेल नहीं खातीं, और यह **१ इतिहास** तथा **गिनती २६** में दी गई संख्याओं से **भिन्न** है।
- **बिन्यामीन**, जो इस समय **बीस वर्ष** के आस-पास का था, उसके **दस पुत्र** दिखाए गए हैं! जो **स्पष्ट रूप से असंभव** है।
- **वंशावलियाँ** कई कारणों से **जोड़ी** और **संशोधित** की गई हैं: कुछ कुल समाप्त हो गए थे, अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध थी या आवश्यक थी।

७० एक प्रतीकात्मक संख्या है

- **बाइबिलीय** दृष्टि से, **७०** संख्या **एक चक्र के पूर्ण** होने को दर्शाती है।
- **७०** से **अधिक** व्यक्ति **मिस्र** गए थे।
- **कोई भी गिनती** केवल **पुरुषों** की ही गिनती करती थी।
- **पुरुषों** के **बराबर** या **उससे भी अधिक** स्त्रियाँ **इस्राएल** का हिस्सा रही होंगी।
- सम्भवतः **१५० से २००** लोगों के आस-पास **मिस्र** गए होंगे।
- कुछ लोग **शेकेम** से लिए गए थे, जब **इस्राएल** के पुत्रों ने उस नगर पर आक्रमण किया था।
- साथ ही **विदेशी दासों** को भी प्राप्त किया गया होगा।

सभी वंशावलियों में विधि और उद्देश्य था

- ये **कभी भी** यों ही **बिना सोचे-समझे** या **लगभग** के रूप में नहीं लिखी गईं।
- **उत्पत्ति ४६** में **पहले लीआ** के पुत्रों का उल्लेख है, **दूसरे जिल्पा** (लीआ की दासी) के।
- **तीसरे राहेल** के पुत्रों का, और **अन्त में बिल्हा** (राहेल की दासी) के।
- ध्यान दें कि **मनश्शे** और **एफ्रैम** को भी शामिल किया गया है... जो **स्पष्ट रूप से**
- **मिस्र** में जन्मे थे, **कनान** से नहीं आए थे।
- **मूल रूप से पद २८** सम्भवतः **पद ७** के ठीक बाद आता था।

आनन्दमय पुनर्मिलन!

- **स्पष्ट रूप से यहूदा** अब **भावी उत्तराधिकारी** के रूप में **दृढ़तापूर्वक** स्थापित हो चुका था।
- **याकूब** और **इस्राएल** तुरन्त **गोशेन** को चले गए।
- **यूसुफ़** अपने परिवार के आने की सूचना **फिरौन** को देने जाता है।
- **ऊपरी मिस्र दक्षिण** में था।
- **निचला मिस्र उत्तर** में था।
- **गोशेन** देश **इस्राएलियों** का **मिस्र** में **आधिकारिक निवास** बन गया।

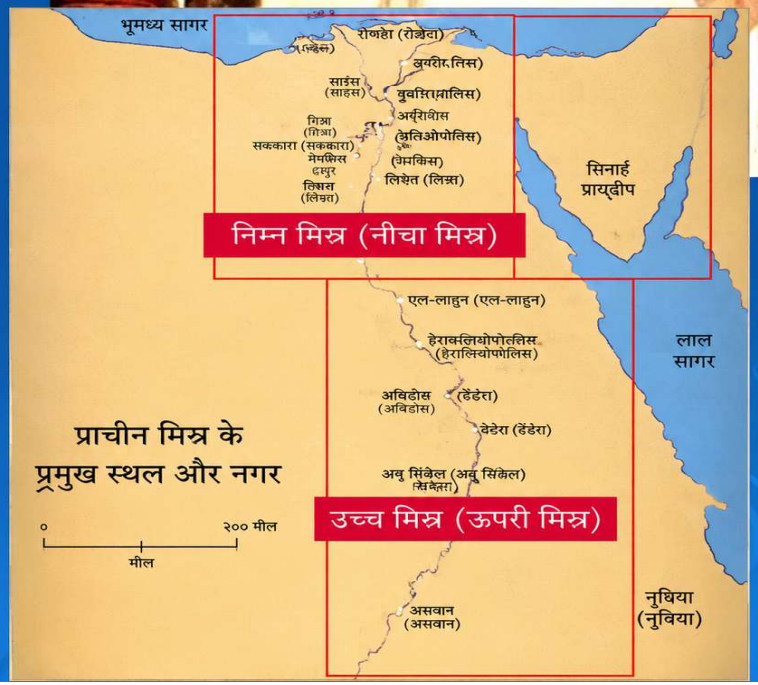

उत्पत्ति ४७: याकूब का फिरौन से मिलना

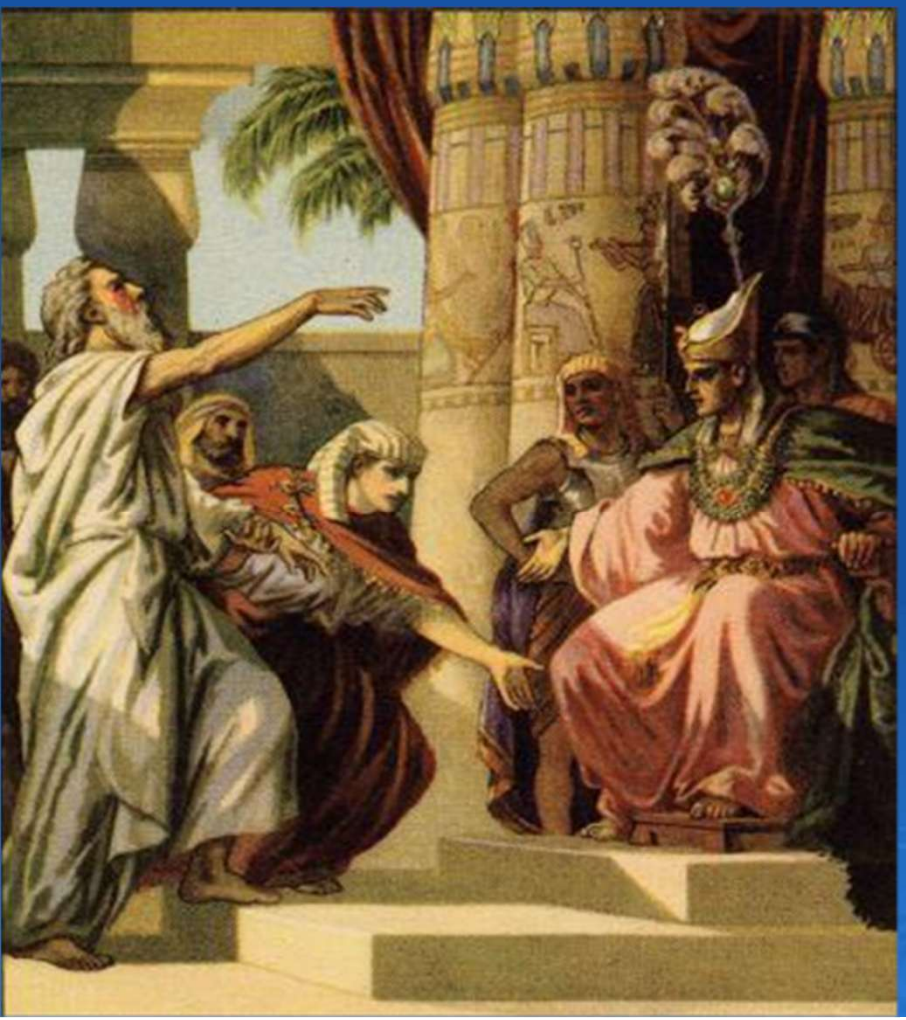

- **मिलन** की **कार्यसूची** पहले से ही **नियोजित** थी।
- **फिरौन** ने उनसे उनका **व्यवसाय** पूछा।
- "**याकूब** ने **फिरौन** को **आशीष** दी।"
- **याकूब** सम्भवतः **फिरौन** ने जितने बूढ़े व्यक्ति कभी देखे थे, उनमें **सबसे अधिक वृद्ध** था! **एक सौ तीस** वर्ष का।

फिरौन सम्पूर्ण मिस्र का स्वामी बन जाता है

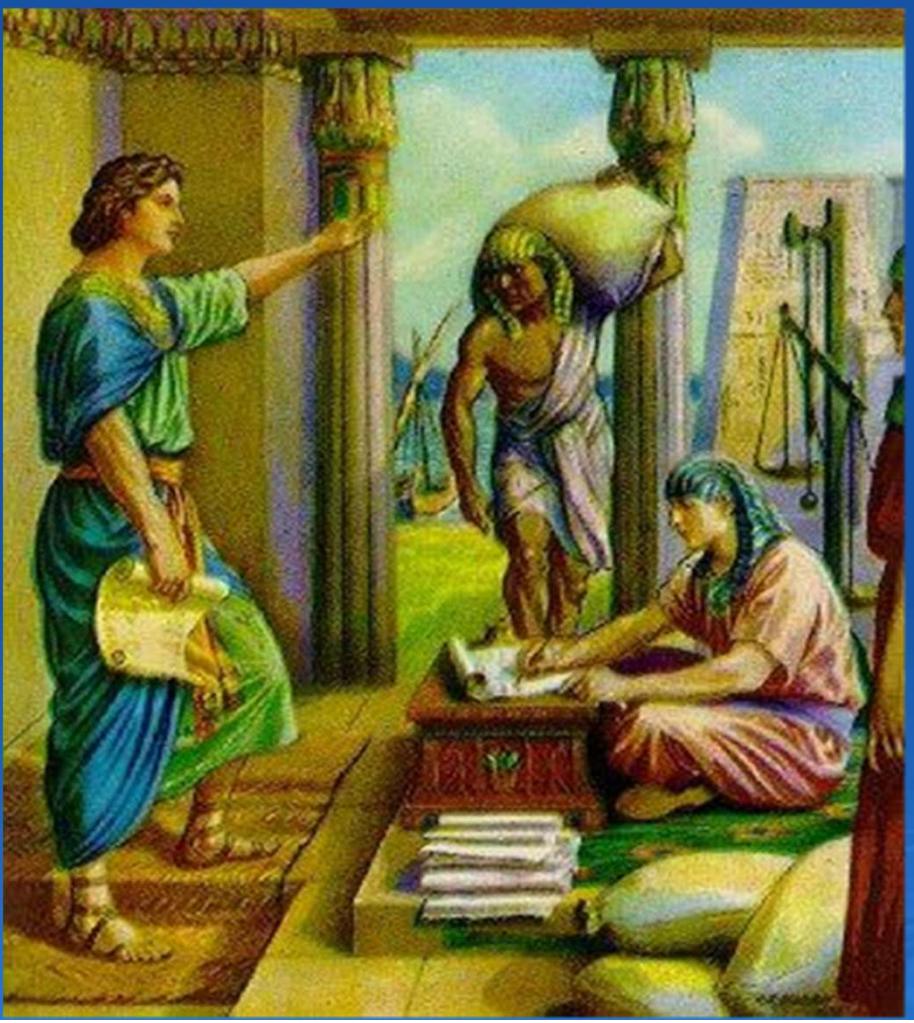

- **अकाल** और भी **भयंकर** हो गया।
- लोगों के पास **अनाज** खरीदने के लिए **धन** समाप्त हो गया, इसलिए उन्होंने अपने **पशुधन** बेच दिए।
- जब **पशुधन** भी समाप्त हो गया, तो उन्होंने अपनी **भूमि फिरौन** को बेच दी।
- जब उनकी **भूमि** भी चली गई, तो उन्होंने **स्वयं** को **फिरौन** का दास बना लिया।
- किन्तु वे **यूसुफ़** के मुख को देखकर और उसी से व्यवहार करते थे।
- भूमि को **पूर्व स्वामियों** को पट्टे पर दे दी गई, जिससे वे **किसान दास** बन गए।

घृणा की शुरुआत

- यह **यूसुफ़** की **योजना** और **प्रशासन** का परिणाम था।
- **यूसुफ़** को लोगों की **भूमि** और **स्वतन्त्रता** छीनने वाला समझा जाने लगा।
- **इस्राएली गोशेन** में **समृद्ध** हो गए।
- उस समय का **सेमाइट** फिरौन **मिस्री** लोगों की क्या भावना है, इसकी परवाह **नहीं** करता था।
- **यूसुफ़** की मृत्यु के बाद, **मिस्र** ने बदला लिया और अब **समृद्ध** हो चुके **इब्रानियों** को **दास** बना लिया।

याकूब का एकमात्र शेष कार्य: आशीर्वाद देना

- **याकूब मिस्र** में **सत्रह** वर्ष जीवित रहा।
- **एक सौ सैंतालीस** वर्ष की आयु में उसकी मृत्यु हुई।
- उसने **यूसुफ़** से प्रतिज्ञा ली कि उसकी **देह** को **कनान** ले जाकर दफनाया जाए।
- **कनान** में दफन होना **राष्ट्रवाद** से सम्बन्धित **नहीं** था।
- यह मुख्यतः **पूर्वजों की आराधना** से सम्बन्धित था।
- यदि उसकी देह और आत्मा **मिस्र** में रह जाए, तो वह **अपने पूर्वजों** के साथ कैसे **एकत्रित** किया जा सकता था?